



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 418] नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, नवम्बर 19, 1970/कार्तिक 28, 1892

No. 418] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 19, 1970/KARTIK 28, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October 1970

S.O. 3768.—In exercise of the powers conferred by Section 82/J of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Accidents (Compensation) Rules, 1950, namely:—

1. **Short Title:** These rules may be called the Railway Accidents (Compensation) (Amendment) Rules, 1970.

2. In the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1950, in rule 4, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(3) Where an ad-hoc Claims Commissioner appointed under sub-rule (2) has ceased to function, all claims arising out of a major accident and pending before him shall be transferred to the ex-Officio Claims Commissioner appointed under Sub-rule (1) for the area in which the accident occurred and all additional and further claims arising out of such major accident may be preferred to the said ex-Officio Claims Commissioner.”

[No. 70-TGII/1026/35.]

C. S. PARMESWARAN, Secy.
Railway Board.

रेलवे संग्राल 1 (रेलवे बोर्ड)

अधिकृष्टना

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1970

एल. नं० 3768.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 82/जे द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1950 में आगे और संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है :—

1. लघु शीर्षक:—ये नियम रेल दुर्घटना (प्रतिकर) (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1950 के नियम 4 में उप-नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(3) जहां उप-नियम (2) के अन्तर्गत नियुक्त तदर्थ दावा आयुक्त कार्य करना बन्द कर दे वहां किसी बड़ी दुर्घटना के कारण उत्पन्न और उसके पास अनिर्णीत पड़े हुए सभी दावे उस क्षेत्र के लिए जहां दुर्घटना घटित हुई हो, उप-नियम (1) के अन्तर्गत नियुक्त पदेन दावा आयुक्त को अन्तरित कर दिये जायेंगे तथा ऐसी बड़ी दुर्घटना के फलस्वरूप उत्पन्न सभी अतिरिक्त और अपर दावे उक्त पदेन दावा आयुक्त को पेश किये जायेंगे।”

[सं० 70 टी जी-2/1026/35]

मी० ए० परमेश्वरन,

सचिव, रेलवे बोर्ड।